इकाई-2

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम

विश्व इतिहास में आधुनिक काल का प्रारंभ जिन घटनाओं के साथ जोड़ा जाता है उनमें यूरोपीय देशों द्वारा 15 वीं शताब्दी में नए समुद्री मार्गों की खोज भी शामिल है। इसका उद्देश्य नए व्यापारिक मार्गों को विकसित करना था ताकि यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्था, व्यापार और वाणिज्य के माध्यम से समृद्ध बनाई जा सके। इसी क्रम में 1492 में कोलम्बस ने अमेरिकी महाद्वीप की खोज की। पुनः अमेरिगो वेस्पुची ने इस वृहद भूखंड के बारे में विस्तृत जानकारी दी। धीरे-धीरे यूरोपीय देशों ने इस क्षेत्र में अपने उपनिवेश भी बसा लिए। उत्तरी अमेरिका में मुख्य रूप से फ्रांस और इंग्लैण्ड ने अपना वर्चस्व स्थापित कर दिया।

लगभग उसी समय यूरोप में नए राजनैतिक विचारों का प्रतिपादन भी हो रहा था और व्यक्ति की स्वतंत्रता, निरंकुश संत्ता का विरोध, समानता और बंधुत्व जैसे विचार लोगों के बीच विशेष कर प्रबुद्ध वर्ग के बीच लोकप्रिय होते जा रहे थे। इंग्लैण्ड से अमेरिकी उपनिवेशों की भौगोलिक दूरी और वहाँ के निवासियों की वैचारिक भिन्नता ने धीरे-धीरे एक ऐसी स्थिति उत्पन्न कर दी जहाँ वैचारिक स्तर पर इंग्लैण्ड और उसके उपनिवेश वस्तुतः दो अगल-अलग स्तरों पर आ गए। उस समय की बदलती हुई आर्थिक व्यवस्था ने भी इन दोनों के बीच मतभेदों को बढ़ाया। धीरे-धीरे उपनिवेशवासी इंग्लैण्ड के वर्चस्व से मुक्त होने के लिए अग्रसर हुए। इसी का परिणाम अमेरिकी स्वंत्रता संग्राम के रूप में सामने आया।

कारण :

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम विश्व इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना है जिसके निम्नलिखित कारण थे:-

1. उपनिवेशों में राजनीतिक स्वायत्तता का अभाव :

अमेरिकी उपनिवेशों में अधिकांश अंग्रेज लोग थे जिन्होंने इंग्लैण्ड की संसदीय व्यवस्था एवं विधि-विधान को देखा था। अतः वे अपने उपनिवेश में भी उसी तरह की प्रजातांत्रिक व्यवस्था

चाहते थे जबकि ब्रिटिश शासक इसके खिलाफ थे। उपनिवेशों के गवर्नर इंग्लैण्ड के राजा द्वारा मनोनीत किए जाते थे जिन्हें विशेषाधिकार भी प्राप्त थे और वे उपनिवेशवासियों के प्रति उत्तरदायी नहीं थे। फलतः संघर्ष की स्थिति बनी रहती थी। उपनिवेशवासियों को शासन के योग्य नहीं माना जाता था। जिसके कारण उनमें भारी असंतोष था।

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के कारण :

- उपनिवेशों में राजनीतिक स्वायत्तता का अभाव
- मध्यम वर्ग का उदय
- भौगोलिक दूरी
- धार्मिक एवं सामाजिक व्यवस्था में मतभेद
- सप्तवर्षीय युद्ध का प्रभाव
- प्रगति विरोधी आर्थिक नीति
- लेखकों एवं प्रचारकों की भूमिका
- जार्ज तृतीय की निरंकुश नीति
- तात्कालिक कारण-बोस्टन चाय पार्टी

2. भौगोलिक दूरी :

इंग्लैण्ड और अमेरिका की भौगोलिक दूरी काफी अधिक थी। यह दोनों क्षेत्र अटलांटिक महासागर के दो अलग-अलग छोर पर स्थित थे। चूँकि उस समय यातायात एवं संचार साधनों का अभाव था अतः व्यवहारिक रूप से ब्रिटिश सरकार अपने उपनिवेशों पर प्रभावशाली नियंत्रण बनाए रखने में असमर्थ थी जिसका फायदा स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उपनिवेशवासियों को मिला।

3. धार्मिक एवं सामाजिक व्यवस्था में मतभेद :

अमेरिकी उपनिवेश एवं ब्रिटेन के बीच धार्मिक एवं सामाजिक स्तर पर भी मतभेद थे। जहाँ एक ओर ब्रिटिशवासी ऐंग्लिकन मत को मानते थे और चर्च के आधिपत्य में विश्वास करते थे वहीं दूसरी ओर अमेरिकी जनता प्यूरिटन मतावलंबी थी । धार्मिक उत्पीड़न से तबाह होकर प्रोटेस्टेंटों एवं प्यूरिटनों ने इंग्लैण्ड छोड़कर अमेरिका में शरण ली थी । उनमें प्रारंभ से ही जुझारूपन एवं स्वतंत्रता की भावना विद्यमान थे तथा सैनिक क्षमता का प्रदर्शन भी वे कई बार कर चुके थे। यही कारण है कि अमेरिका वासी अपने मातृदेश के साथ संबंध नहीं रखना चाहते थे।

ब्रिटिश समाज सामंतवादी एवं कुलीन व्यवस्था पर आधारित थी जबकि अमेरिकी समाज समतामूलक एवं प्रजातांत्रिक व्यवस्था पर आधारित था। इस प्रकार अमेरिका में धार्मिक एवं सामाजिक समरसता विद्यमान थी, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के लिए एक मजबूत आधार प्रदान किया।

4. सप्तवर्षीय युद्ध का प्रभाव :

सप्तवर्षीय युद्ध इंग्लैण्ड एवं फ्रांस में 1756 से 1763 ई० के बीच हुआ था। इस युद्ध से पूर्व तक उपनिवेशवासी इंग्लैण्ड से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए थे क्योंकि वे कनाडा में फ्रांसीसियों के विरुद्ध अकेले अपनी रक्षा करने में असमर्थ थे। लेकिन इस युद्ध में फ्रांस की पराजय के साथ

ही यह भय समाप्त हो गया। अब उपनिवेशवासियों का एकमात्र लक्ष्य इंग्लैण्ड को बेदखल करना था। इस युद्ध पर टिप्पणी करते हुए प्रो० पोलार्ड ने कहा था- ''फ्रांस की पराजय ने अमेरिकावासियों की स्वतंत्रता की इच्छा को भड़काया।''

5. प्रगति विरोधी आर्थिक नीति :

सबसे गंभीर मतभेद आर्थिक कारणों से उत्पन्न हुए थे। उपनिवेशवाद का बुनियादी सिद्धांत यह था कि उपनिवेशों के आर्थिक शोषण और उनके संसाधनों के दोहन का अधिकार मातृदेश को है। दूसरी ओर उन्मुक्त व्यापार की धारणा विकसित हो रही थी जिसमें राज्य द्वारा व्यापार को नियंत्रित करने का विरोध किया गया था। इस सिद्धांत के अनुसार उपनिवेशवासी अपने व्यापार एवं अन्य क्रियाकलापों में इंग्लैण्ड के हस्तक्षेप को नापसंद करते थे। अतः उपनिवेशों में विकसित हो रहा मध्यम वर्ग इंग्लैण्ड के कुलीन वर्गीय शासन का अंत चाहता था।

6. आपत्तिजनक कर :

सप्तवर्षीय युद्ध में इंग्लैण्ड की काफी आर्थिक क्षति हुई थी। अतः क्षतिपूर्ति हेतु तत्कालीन प्रधानमंत्री ग्रेनविले ने 1765 ई० में स्टांप एक्ट पारित किया जिसके अनुसार सभी अदालती कागजों, अखबारों आदि पर 20 शिलिंग का स्टांप लगाना अनिवार्य था। इस कानून से उपनिवेशों में व्यापक विरोध की भावना जाग उठी और उपनिवेशवासियों ने ब्रिटेन से आने वाली सभी वस्तुओं का बहिष्कार करने का निश्चय किया। 1767 ई० में ब्रिटिश संसद ने उपभोक्ता वस्तुओं पर कर लगाया। ये वस्तुएँ थी – कागज , शीशा, चाय एवं रोगन। उपनिवेशवासियों ने इन करों का व्यापक विरोध किया तथा सैमुअल एडम्स ने 'प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं' का नारा दिया। ब्रिटिश सरकार की कार्रवाइयों का विरोध करने के लिए उपनिवेशवासियों ने 'स्वाधीनता के पुत्र' एवं 'स्वाधीनता की पुत्रियाँ' आदि संस्थाएँ स्थापित की।

स्टांप एक्ट का विरोध करते हुए उपनिवेशवासी

7. लेखकों एवं प्रचारकों की भूमिका :

स्वतंत्रता की भावना जगाने में लेखकों एवं प्रचारकों की अहम् भूमिका रही है। 1776 ई० में टॉमस पेन की लघु पत्रिका कॉमनसेंस प्रकाशित हुई। इसमें अत्यंत प्रभावशाली एवं उत्तेजक शैली में स्वतंत्रता की आवश्यकता पर बल दिया गया। उसने राजतंत्र पर भी करारा प्रहार किया। टॉमस जैफर्सन ने उपनिवेशवासियों के विद्रोह करने के अधिकार का समर्थन किया और उनकी बढ़ती हुई स्वतंत्रता की इच्छा को प्रोत्साहन दिया।

8. जार्ज तृतीय की निरंकुश नीति :

इंग्लैण्ड के शासक जार्ज तृतीय ने सत्ता संभालते ही अमेरिकी उपनिवेश के प्रति निरंकुश नीति अपनाई। उसकी यह नीति इंग्लैण्ड में भी अलोकप्रिय थी। वह व्यक्तिगत शासन के सिद्धांत में विश्वास रखता था जबकि इंग्लैण्ड में मंत्रिमंडल की शक्तियाँ बढ़ने लगी थी। जार्ज तृतीय के अनुत्तरदायी रवैए ने उपनिवेशों के साथ उत्पन्न हुए संकट के शांतिपूर्ण समाधान की संभावनाओं को वस्तुतः ध्वस्त कर दिया जो स्वतंत्रता संग्राम हेतु उत्तरदायी कारक के रूप में सामने आया।

9. तत्कालिक कारणः बोस्टन चाय पार्टी :

1773 ई० में चाय कानून द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत से सीधे अमेरिका चाय भेजने का एकाधिकार प्रदान किया गया जिसका उपनिवेशवासियों ने जबर्दस्त विरोध किया। जब चाय से

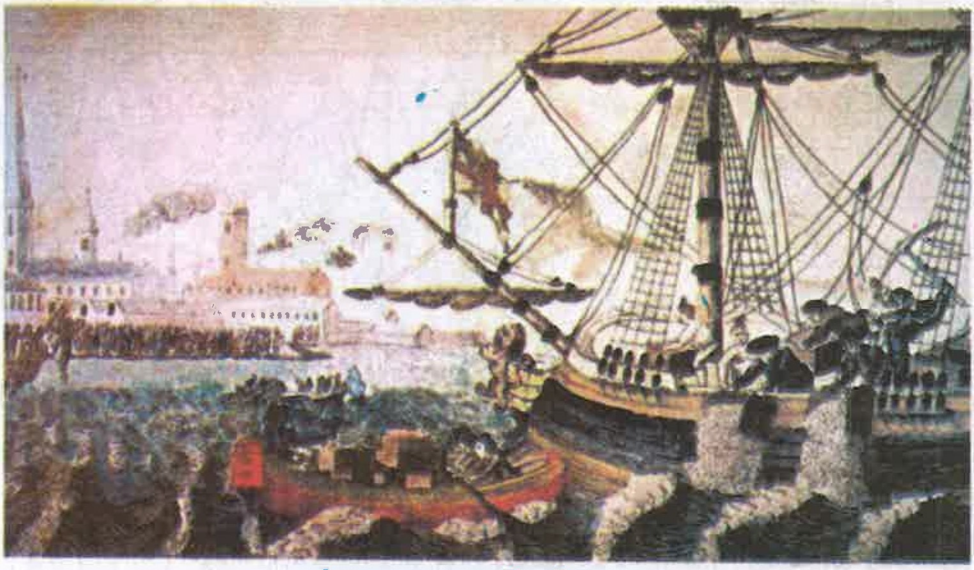

बोस्टन चाय पार्टी की घटना

लदा हुआ जहाज अमेरिका के बोस्टन बंदरगाह पर पहुँचा तो वहाँ के कुछ नागरिक आदिवासियों (रेड इंडियन) जैसे कपड़े पहने उस जहाज पर पहुँचे और उन्होंने चाय की सभी पेटियाँ समुद्र में फेंक दी। इस घटना को 'बोस्टन टी पार्टी' के नाम से जाना जाता है। अतः ब्रिटिश सरकार ने बोस्टन बंदरगाह पर व्यापारिक प्रतिबंध लगा दिया और इस प्रकार अमेरिकी उपनिवेश को विद्रोह की आग में धकेल दिया।

जार्ज वाशिंगटन

5 सितम्बर 1774 ई० को 13 उपनिवेशों के प्रतिनिधियों का फिलाडेल्फिया शहर में एक महादेशीय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें ब्रिटिश कानूनों का विरोध तथा व्यापार के बहिष्कार का निर्णय हुआ। 18 अप्रैल 1775 को ब्रिटिश सेना तथा उपनिवेश वासियों के बीच लेक्सिंगटन में प्रथम संघर्ष हुआ। इसके पश्चात् 4 जुलाई 1776 ई० में फिलाडेल्फिया में दूसरा महादेशीय सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें टॉमस जैफर्सन द्वारा तैयार किया गया 'स्वतंत्रता का घोषणा पत्र' जारी किया

अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा

गया तथा जार्ज वाशिंगटन को अमेरिकी उपनिवेश का सेनापति नियुक्त किया गया। इस प्रकार अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम पूरी तरह आरंभ हो गया जो 3 फरवरी 1783 को पेरिस की संधि द्वारा समाप्त हुआ तथा 1787 ई० में संविधान का निर्माण हुआ जो 1789 ई० में लागू हुआ। जार्ज वाशिंगटन को प्रथम राष्ट्रपति बनाया गया।

परिणाम :

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम को विश्व इतिहास में एक विभाजन रेखा के रूप में देखा जाता है। इसके तात्कालिक एवं दीर्घकालिक परिणाम दोनों ही निर्णायक थे।

1. ब्रिटेन का एक कीमती उपनिवेश हाथ से निकल गया तथा अटलांटिक महासागर के पार संयुक्त राज्य अमेरिका के रूप में एक शक्तिशाली राष्ट्र का उदय हुआ जिसने पूरे विश्व को प्रभावित किया।

2. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम एक तरह से वाणिज्यवादी प्रतिबंधों के विरुद्ध एक विद्रोह था। अतः इसने 'एडम स्मिथ' के लैसेज-फेयर (मुक्त व्यापार) के सिद्धांत को मजबूत किया।

3. ब्रिटेन की हार का दोष जार्ज तृतीय तथा उसके मंत्रियों के मत्थे मढ़ा गया फलतः-

   (क) तानाशाह बनने का जार्ज तृतीय का सपना चूर हो गया ।

   (ख) लार्ड नार्थ का मंत्रिमंडल बर्खास्त तथा अधिक उदार मंत्रिमंडल नियुक्त हुआ।

   (ग) इंग्लैण्ड में जल्द ही कई सुधार लागू हुए, जैसे-

      (i) आयरलैंड की संसद को लगभग स्वतंत्र स्थान प्राप्त हआ (1782 ई०में)।

      (ii) कैथोलिक आयरिश लोगों को मताधिकार मिला। (1793 ई० में)

      (iii) आयरिश संसद, वेस्टमिंस्टर संसद से जुड़ा । (1800 ई० में)

   (घ) इस प्रकार, सीमित राजतंत्र और राजनीतिक स्वतंत्रता का वर्चस्व बढ़ गया।

4. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम ने फ्रांस को भी प्रभावित किया। इस संग्राम में 'लफायतें के नेतृत्व में फ्रांसीसी सैनिकों ने भाग लिया था। अतः जब वे स्वदेश लौटे तो निरंकुश

राजतंत्र के प्रति जनता को जागरूक करने का प्रयास किया। दूसरी ओर फ्रांसीसी अर्थव्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई।

5. राजनीति में जनता की भागदारी का मार्ग प्रशस्त हुआ।
6. जनता को धार्मिक एवं अन्त:करण की स्वतंत्रता मिली तथा मौलिक अधिकारों के माध्यम से लोगों की मूलभूत स्वतंत्रता स्वीकार कर ली गई।
7. विश्व का प्रथम लिखित संविधान अमेरिका में 1789 ई० में लागू किया गया जिसमें महिलाओं को सम्पत्ति का अधिकार मिला तथा उत्तराधिकार कानून को न्यायसंगत बनाया गया।
8. अमेरिका गणतंत्र बना तथा वहाँ मॉटेस्क्यू के 'शक्ति पृथक्करण सिद्धांत' को मान्यता मिला।
9. वयस्क मताधिकार लागू नहीं हुआ तथा स्त्रियों को भी मताधिकार से वंचित रखा गया। मताधिकार का आधार संपत्ति को बनाया गया जो उचित नहीं था।
10. इस प्रकार संयुक्त राज्य अमेरिका का गठन एक नए राज्य के रूप में हुआ जिसमें पहली बार लिखित संविधान , शक्ति के पृथक्करण का सिद्धांत, धर्मनिरपेक्षता का सिद्धांत और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सिद्धांत राजनैतिक व्यवस्था के मूल आधार माने गए। इन सिद्धांतों का प्रसार यूरोप में भी हुआ और फ्रांस की राज्यक्रांति ने 1789 में इन्हीं सिद्धांतों को मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में समस्त विश्व के लिए स्थापित कर दिया।

औद्योगीकरण का प्रभाव

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही पश्चिमी यूरोप की औद्योगिक क्रांति नवनिर्मित अमेरिकी समाज में प्रवेश कर रही थी। अत: इससे आर्थिक प्रगति की अपार संभावनाओं का उदय हुआ। अब यहाँ एक नई कार्य-संस्कृति विकसित हुई तथा अनेक उद्योग-धंधों एवं कल-कारखानों का निर्माण हुआ जिसके लिए कच्चा माल पहले से ही मौजूद था। औद्योगीकरण के फलस्वरूप कृषि को भी प्रोत्साहन मिला। अत: आर्थिक क्षेत्र में अभूतपूर्व उन्नति हासिल हुई जिसका परिणाम एक सशक्त एवं विकसित देश के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका का उदय था।

इंग्लैण्ड की असफलता के कारण

यद्यपि इंग्लैण्ड काफी शक्तिशाली था एवं विश्व में उसके कई उपनिवेश भी थे। परन्तु उसे अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम में हार का मुँह क्यों देखना पड़ा? इंग्लैण्ड की असफलता के निम्न कारण थे:–

1. अमेरिकी उपनिवेश अटलांटिक महासागर के पार 3,000 मील की दूरी पर स्थित थे। अतः वहाँ समय से सेना एवं रसद पहुँचने में कठिनाई होती थी। दूसरी ओर अमेरिका की भौगोलिक स्थिति से भी अंग्रेजी सैनिक परिचित नहीं थे।
2. अमेरिका की शक्ति को नजरअंदाज किया गया एवं अधिकांश अंग्रेज इसे गृहयुद्ध ही समझते रहे।
3. उपनिवेश वासियों में एकता एवं उत्साह था। वे स्वतंत्रता के लिए कुछ भी करने को तैयार थे।
4. ब्रिटिश सेनापतियों ने कुछ सामरिक भूलें की।
5. ब्रिटिश राजनेताओं के बीच गंभीर मतभेद थे। जार्ज तृतीय की हठधर्मिता की नीति के कारण योग्य एवं अनुभवी नेता सरकार से अलग रहे।
6. ब्रिटेन विदेशी सहायता से वंचित रहा जबकि अमेरिकी उपनिवेशों को विदेशी सहायता प्राप्त हुई। विशेष कर फ्रांस ने उपनिवेशवासियों को धन-जन से काफी मदद पहुँचाई।
7. अमेरिका को जार्ज वाशिंगटन जैसा सुयोग्य नेता मिल गया जिसने बड़े धैर्य, साहस एवं कुशलता के साथ अंग्रेजी सेना को पराजित किया।

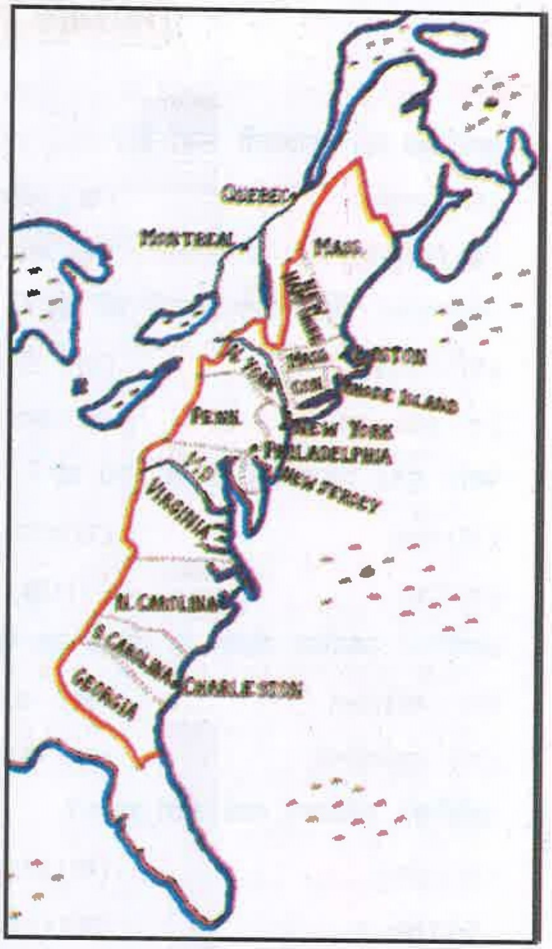

तालिका-1

अमेरिका 13 उपनिवेश

	उपनिवेशों का नाम
1	न्यू हैंपशायर
2	मैसाचूसेटस
3	रोड आइलैंड
4	कनेक्टिकट
5	न्यूयार्क
6	न्यूजर्सी
7	पेनसिलवेनिया
8	डेलावेयर
9	मेरीलैण्ड
10	वर्जीनिया
11	उत्तरी कैरोलाइना
12	दक्षिणी कैरोलाइना
13	जार्जिया

अभ्यास :

I. वस्तुनिष्ठ प्रश्न :

1. अमेरिका की राजधानी कहाँ है ?

(क) न्यूर्याक (ख) कैलिफोर्निया

(ग) वाशिंगटन (घ) कोई नहीं।

2. 'कामनसेंस' की रचना किसने की थी ?

(क) जैफर्सन (ख) टॉमस पेन

(ग) वाशिंगटन (घ) लफायते

3. स्टांप एक्ट किस वर्ष पारित हुआ था ?

(क)1765 (ख)1764

(ग)1766 (घ)1767

4. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम में अँग्रेजों का सेनापति कौन था ?

(क) वाशिंगटन (ख) वेलेजली

(ग) कार्नवालिस (घ) कर्जन

5. अमेरिकी संविधान कब लागू हुआ ?

(क) 1787 (ख) 1789

(ग) 1791 (घ) 1793

6. विश्व में प्रथम लिखित संविधान किस देश में लागू हुआ ?

(क) इंग्लैण्ड (ख) फ्रांस

(ग) अमेरिका (घ) स्पेन

7. किस संधि के द्वारा अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम को मान्यता मिली ?

(क) पेरिस की संधि (ख)विलाफ्रैका की संधि

(ग) न्यूली की संधि (घ) सेब्रे की संधि।

8. अमेरिकी स्वतंत्रता में अमेरिका का सेनापति कौन था ?

(क) ग्रेनविले (ख) जैफर्सन

(ग) लफाएते (घ) वाशिंगटन

9. **अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे ?**

(क) जार्ज वाशिंगटन (ख) अब्राहम लिंकन

(ग) रूज़वेल्ट (घ) अलगोर

10. **सप्तवर्षीय युद्ध किन दो देशों के बीच हुआ था?**

(क) ब्रिटेन-अमेरिका (ख) फ्रांस-कनाडा

(ग) ब्रिटन-फ्रांस (घ) अमेरिका-कनाडा

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

1. लैसेज फेयर का सिद्धांत .... ने दिया था।
2. शक्ति के पृथक्करण का सिद्धांत .... ने दिया था।
3. सेनापति लफाएते .... का रहने वाला था।
4. जार्ज तृतीय इंग्लैण्ड का .... था।
5. धर्म निरपेक्ष राज्य की स्थापना सर्वप्रथम .... में हुई।
6. नई दुनिया (अमेरिका) का पता .... ने लगाया था।
7. अमेकिा में अँग्रजों के .... उपनिवेश थे।
8. सर्वप्रथम आधुनिक गणतंत्रात्मक शासन की स्थापना .... में हुई।
9. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम का तात्कालिक कारण .... था।
10. 'राइटस ऑफ मैन' की रचना .... ने की थी।

III. सही/गलत कथन का चुनाव करें तथा उसके सामने कोष्ठक में उपयुक्त चिह्न अंकित करें :

1. जार्ज वाशिंगटन अमेरिका के प्रथम प्रधानमंत्री थे। ☐
2. अमेरिका यूरोप महादेश में स्थित है। ☐
3. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वाधीनता के पुत्र एवं पुत्री नामक संगठन का निर्माण हुआ था। ☐
4. अमेरिका की खोज कोलम्बस ने नहीं किया था। ☐

5. अमेरिका स्वतंत्रता संग्राम में फ्रांस ने इंग्लैण्ड का साथ दिया था। ☐

6. अमेरिका स्वतंत्रता का घोषणा पत्र जैफर्सन ने तैयार किया था। ☐

7. स्टांप एक्ट ग्रेनविले के समय पारित हुआ था। ☐

IV. 10 शब्दों में उत्तर दें।

1. गणतंत्र
2. मौलिक अधिकार
3. मताधिकार
4. उपनिवेश
5. राजतंत्र

V. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अमेरिका या नई दुनिया की खोज क्यों हुई?
2. नई दुनिया की खोज इंग्लैण्ड के लिए वरदान साबित हुआ कैसे?
3. मुक्त व्यापार के सिद्धांत ने उपनिवेशवासियों को क्रांति के लिए प्रेरित किया कैसे?
4. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम ने फ्रांस पर भी प्रभाव डाला है— कैसे?
5. क्या अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के परिणामों ने औपनिवेशिक विश्व को प्रभावित किया?

VI. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के तीन प्रमुख कारणों की विवेचना कीजिए।
2. लोकतांत्रिक स्तर पर अमेरिकी संग्राम ने विश्व को कैसे प्रभावित किया है?
3. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के परिणामों की आलोचनात्मक परीक्षण करें।
4. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम में अँग्रेजों के पराजय के क्या कारण थे?